एक नजर में

राजगढ़ में आधार सेवा केंद्र का लोकार्पण

राजगढ़ 04 जुलाई, का. मध्यप्रदेश में यूआईडीआई द्वारा संचालित आधार सेवा केंद्र केवल इंदौर और भोपाल में ही थे. इन दोनों आधार सेवा केंद्र पर आम जनता का इतना विश्वास है की प्रदेश के कोने कोने से नागरिक यहां अपने आधार सम्बंधित कार्य के लिए आते है. जनता के इस भरोसे को देखते हुए भारत सरकार ने एक पहल की है की देश के लगभग हर जिले में आधार सेवा केंद्र शुरू किये जाएँ. इसी कड़ी में राजगढ़ के आधार सेवा केंद्र का लोकार्पण शनिवार को विधायक राजगढ़ अमर सिंह यादव द्वारा किया गया. स्टेट ऑफिस भोपाल से उप निदेशक धर्मवीर कुशवाह ने अवगत कराया यह आधार सेवा केंद्र सप्ताह के सातों दिन कार्यरत रहेगा. वर्तमान में प्रदेश में 12 आधार सेवा केंद्र कार्यरत हैं और अगले तीन महीनो में, 24 और जिलों में नए आधार सेवा केंद्र शुरू हो जायेंगे. राज्य परियोजना प्रबंधक निकेत दीवान ने बताया कि ऑनलाइन अपॉइंटमेंट की भी व्यवस्था है, ताकि नागरिक अपनी सुविधानुसार समय पर आ कर, बिना ज्यादा इंतजार के, अपना आधार सम्बंधित कार्य करा सकते हैं.

जिला चिकित्सालय पार्क में पौधरोपण किया

राजगढ़ 04 जुलाई, का. जिला चिकित्सालय परिसर को स्वच्छ और हराभरा बनाने के उद्देश्य से शनिवार को जिला चिकित्सालय स्थित पार्क में पौधरोपण कार्यकम आयोजित किया गया. इस दौरान नीम, आम, पीपल, गुलमोहर सहित अन्य छायादार पौधों का रोपण किया गया. साथ ही सभी ने पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा का संकल्प लिया. सिविल सर्जन डॉ. रजनीश शर्मा ने बताया कि लगाये गये पौधे सुरक्षित रहे. इसके लिए पार्क की पहले फेंसिंग कराई गई. इसके बाद व्यवस्थित रूप से पौधरोपण किया गया. ताकि पौधे सुरक्षित रहकर बड़े हो सके और भविष्य में पार्क घने वृक्षों से हराभरा रहे. जिससे अस्पताल परिसर की सुंदरता बढ़ने के साथ ही मरीजों और उनके परिजनों को स्वच्छ और शुद्ध वातावरण उपलब्ध हो सकेगा. उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है. पौधे लगाने के साथ ही उनका संरक्षण भी आवश्यक है. अस्पताल परिसर को और अधिक हराभरा बनाने को लेकर पौधरोपण कार्यकम निरंतर जारी रहेगा.

बुनकरों ने विदाई समारोह का आयोजन किया

पडाना 04 जुलाई, सं. क्षेत्र में हाथकरघा क्षेत्र के अधिकारियों के स्थानांतरण के बाद बुनकर प्रतिनिधियों ने हाथकरघा कार्यालय सारंगपुर में एक सम्मान समारोह आयोजित किया.जिला हाथकरघा प्रभारी सहायक संचालक दिव्या पवार का स्थानांतरण सारंगपुर से सौसर तथा ऑपरेटर दिनेश कुमार यादव का स्थानांतरण सारंगपुर से भिंड हो जाने पर क्षेत्र के बुनकरों ने उनका स्वागत किया. इस अवसर पर बुनकरों द्वारा श्रीफल, हार-फूल और प्रतिक चिन्ह के साथ-साथ बुनकरों द्वारा बनाई गई चादर एवं प्रशंसा पत्र भेंट किए गए. इस मौके पर कुरेश अंसारी और नवाब अंसारी ने दिव्या पवार द्वारा बुनकरों के हित में किए गए कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की. कार्यक्रम में नंवागत सहायक संचालक बालकृष्ण कोकड़िया एवं कनिष्ठ सहायक ग्रामोद्योग विस्तार अधिकारी अंकुर चौहान का भी पदभार ग्रहण करने पर बुनकरों ने स्वागत किया.

अंतत : बरसात ही बहाकर ले गई सालभर की गंदगी

किसान बोवनी के लिये बारिश का इंतजार कर रहा था वैसे ही नदी-नालों में जमी गंदगी भी बेसब्री से तेज बारिश के इंतजार में थी

साल भर से जमा गंदगी की ऊपरी सतह आज चंद मिनिट की तेज बारिश बहा ले गई आने वाले दिनों में तेज बारिश होने पर ही नदी-नालों की शेष जमा गंदगी बह पाएगी

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 04 जुलाई, का. तेज बारिश के इंतजार में सिर्फ किसान ही नहीं था ब्यावरा सहित जिले की तमाम नगरीय निकाय भी थी. किसान जहां बोवनी को लेकर चिंतित था तो आम लोग नदी-नालों में जमा गंदगी को लेकर परेशान थे. यह संभावना लग रही थी कि साल भर से जमा यह गंदगी तेज बारिश को ही बहाकर ले जाना है.

आज ऐसा ही हुआ चंद मिनिट की तेज बारिश गंदगी की ऊपरी सतह को तो अपने साथ बहा ले गई लेकिन अभी मलवे, कीचड़ के रूप में जमा गंदगी को अगली तेज बारिश का इंतजार है. शनिवार दोपहर जब एकाएक तेज बारिश हुई तो नागरिकों को यह भय भी सताने लगा कि अगर बारिश का यही रूख कुछ घंटे बना रहे तो शहर के कई इलाके नगरीय निकायों की निकासी व्यवस्था की पोल खुल जायेगी.

हालांकि निकायों की पोल खुलने से किसी को फर्क नहीं पड़ता लेकिन इससे होने वाला कई प्रकार का नुकसान तो आम लोगो को व्यक्तिगत तौर पर ही झेलना पड़ता. लंबे समय से लोग तेज बारिश का इंतजा कर रहे थे. पिछले करीब आठ-दस दिनों के अंतराल में बारिश तो कई बार हुई लेकिन जिस तेज बारिश का बेसब्री से इंतजार था वह आज ही हुई.

18 मई : बारिश से पहले

04 जुलाई : बारिश के बाद

हाइवे, सड़क और गलियों में पानी जमा हो गया..

नवभरत न्यूज

ब्यावरा 04 जुलाई, का. नगर में शनिवार को हुई तेज बारिश का समय बमुश्किल आधा घंटे रहा होगा. इस आधे घंटे में ही तमाम गंदगी नालों, नालियों से निकलकर नदी तक पहुंच गई. इसी दिन का इंतजार निकाय कर रही थी. हालांकि साल भर से जमा इस गंदगी ने नाले के मार्ग को तो प्रवाहित कर दिया लेकिन नदी में पहुंचने के पहले ही यह एक अवरोध के रूप में जमा नजर आई तो नपा की सांसे फूली और नपा ने आनन-फानन में नदी के कौने में जमा नाले की गंदगी को जेसीबी के माध्यम से नदी तक पहुंचाने का मार्ग बनाया. अगर नाले की गंदगी नदी में जाने से रूक जाती तो नाले की यह सालभर की गंदगी नगर के गली-मोहल्लों में अनेकों समस्याओं का कारण बन जाती.

सालभर से जमा गंदगी जो थोड़ी बहुत बही है वह ऊपरी तल पर जमा थी. अभी नाले-नाली और नदी में जमा मलवा, कीचड़ का बहना बाकी है. अगर इसी प्रकार की तेज बारिश आने वाले दिनों में हो जाती है तो गंदगी साल भर के लिये विदा हो सकती है.

स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा बारिश से पहले नाले की नियमित सफाई नहीं कराई गई थी. यदि समय रहते सफाई कर दी जाती तो जलभराव और गंदगी की स्थिति से बचा जा सकता था. बारिश के तेज बहाव ने नाले में जमा कचरा और गाद बहा दी, जिससे नाला काफी हद तक साफ दिखाई देने लगा. भविष्य में नगर पालिका मानसून से पहले नालों की विशेष सफाई करने में चूकती है और दुर्भाग्य से बारिश का प्रवाह सतत चलता है तो यह नगर के लिये कभी भी विस्फोटक स्थिति निर्मित कर देने जैसी हो सकती है .इससे यह साफ होता है कि निकायों को केवल बारिश के भरोसे ही नहीं बैठा रहना चाहिए. साल भर में विशेष सफाई अभियान नदी-नालों के लिये बेहद जरूरी है.

एनएच हर जगह एक ही गलती दोहरा रहा

महज 25 मिनट से 1 घंटे की बारिश जो कि दोपहर 2 से 3 बजे के बीच हुई. उसमें शहर के कई ईलाकों में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई. राजगढ़ बायपास पर ओवरब्रिज के नीचे पानी भर गया. निकासी नहीं होने से यहां छोटी सी तलैया नजर आने लगी. एनएच ने यहां पानी की निकासी नहीं की. यही गलती पचोर में और फिर से ब्यावरा में गुना हाईवे पर की जा रही है. गुना बायपास पर सर्विस लेन किनारे नाली को सड़क से ऊंचा रखा गया है.

बारिश हुई तो नदी किनारे जेसीबी चली

नगर पालिका ने पूरे ग्रीष्म काल में शहर के नालों, लोकल ड्रेनेज सिस्टम और नदी को साफ करने में रूचि नहीं दिखाई. लेकिन पहली ही जोरदार बरसात में जब शहर में जलभराव की स्थिति बनी तो नदी की ओर जाने वाली कच्ची नालियों को जेसीबी से क्लीन करना शुरू कर दिया. पंचमुखी मंदिर के समीप नाली पर जेसीबी चलाई गई. वहीं सफाई दरोगा अपनी टीम के साथ विवेक टॉकीज के पास पहुंचे और नालियों का मलबा ट्रॉली में भरी बरसात में ढोते नजर आए. यह गतिविधि यदि समय रहते की जाती तो अमले का समय और लोगों की सुविधा बर्बाद नहीं होती.

बालक की करंट लगने से मौत पर शोकाकुल ब्यावरा

चूड़ी गली के सराफा बाजार में हुआ हादसा
दुकान पर विद्युत तार की चपेट में आया बालक

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 04 जुलाई, का. नगर में शनिवार को सर्राफा मार्केट में एक 15 वर्षीय किशोर कान्हा सोनी की करंट लगने से हुई दु:खद मौत ने समूचे नगर को गमगीन कर दिया. घटना के समय बालक अपने पिता धर्मेन्द्र सोनी की दुकान पर बैठा था. दुकान पर खुले तार की चपेट में वह कैसे आ गया यह पता ही नहीं चला.

यह घटना दोपहर पौने एक बजे की है. बालक को गंभीर अवस्था में अस्पताल ले जाया गया जहां जांच उपरांत चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया. इस हृदय विदारक घटना की सूचना मिलते ही न केवल सर्राफा बाजार में बल्कि समूचे नगर में शोक का वातारण निर्मित हो गया. मोहल्ले के व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर दु:ख जताया.

जानकारी के अनुसार, कान्हा सोनी (15) अपने पिता धर्मेन्द्र सोनी की गुजराती सर्राफा मार्ग स्थित सोने-चांदी के आभूषणों की दुकान पर था. धर्मेंद्र सोनी लंबे समय से सराफा व्यवसाय से जुड़े हैं. शनिवार को किसी जरूरी काम से पिता कुछ देर के लिए घर गए हुए थे, जिसके चलते कान्हा दुकान की देखरेख कर रहा था.

कान्हा की मौत ने परिजनों पर दु :ख का पहाड़ टूटा

कान्हा की मौत की खबर लगते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. अस्पताल में बड़ी संख्या में सराफा बाजार के व्यापारी और स्थानीय लोग एकत्र हो गए. व्यापारियों ने बताया कि कान्हा पढ़ाई में होनहार होने के साथ-साथ अक्सर दुकान पर अपने पिता का हाथ बंटाता था. उसका व्यवहार सभी ग्राहकों और साथी व्यापारियों के प्रति बेहद शालीन और मिलनसार था. कान्हा मानस स्कूल में कक्षा 12 में गणित विषय का विद्यार्थी था.

इनवर्टर के तार से लगा तेज झटका

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुकान में अचानक इनवर्टर के तार के संपर्क में आते ही कान्हा को हाई-वोल्टेज करंट का तेज झटका लगा और वह बेहोश होकर दुकान के भीतर ही गिर पड़ा. आसपास के दुकानदारों ने जब यह देखा, तो वे तुरंत उसे लेकर नजदीकी निजी क्लीनिक पहुंचे. वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी नाजुक हालत को देखते हुए उसे तुरंत बड़े निजी अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने गहन परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया.

बारिश में ट्रिप मार रही लाइट, कटौती बनी सिरदर्द

राजगढ़ 04 जुलाई, का. पूरे ग्रीष्मकाल में मेंटिनेंस करने वाली बिजली कंपनी के रखरखाव की पोल बारिश में खुल रही है. बरसात में लाईट जहां बार-बार ट्रिप मार रही है वहीं कटौती से लोग परेशान हो रहे है. थोड़ी ही हवा और बारिश होने पर विभाग तुरंत सप्लाई रोक देता है. इसके अलावा आज रविवार को भी जिले के कई हिस्सों में लंबे समय तक कटौती की जाएगी.

घर में फांसी पर झूलता मिला विवाहिता का शव

मातामण्ड मोहल्ले का मामला, रात को फांसी लगाई सुबह शव मिला

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 04 जुलाई, का. नगर के मातामण्ड मोहल्ले के पीछे वाली गली में एक विवाहिता का शव उसके घर में फांसी पर लटका मिला. महिला की उम्र 33 वर्ष बताई जा रही है. सुबह घर वाले उठे तो उन्होंने शव लटकते हुए देखा. मामले की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की है. हालांकि आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है और कारण फिलहाल सामने नहीं आया है.

सिटी थाना प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि मातामण्ड मोहल्ले निवासी कृष्णा बाई पति हरिओम साहू उम्र 33 साल का शव घर में सुबह फांसी पर मिला. घरवालों ने बताया कि रोज की तरह महिला अपने काम निपटाकर सोई थी. सुबह उसका शव मिला. महिला के दो बच्चे है और पति काम धंधा कर आजीविका चलाता है. शव का पीएम कराकर परिजनों को सौंप दिया है. पुलिस मामले में पूछताछ कर विवेचना कर रही है.

स्वजनों ने संतोष पाराशर को दी सेवानिवृत्ति पर विदाई

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 04 जुलाई,का. नगर पालिका ब्यावरा सहित राजगढ़ जिले की कुरावर और खरगोन जिले में अपनी सतत सेवाएं देने वाले संतोष पाराशर के सेवानिवृत्त होने पर आज स्वजनों ने उन्हें विदाई देते हुए उनसे सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहते हुए सामाजिक कार्यो में सक्रियता बरतने का आह्वान किया.

श्री पाराशर के सुपुत्र पुष्पेन्द्र पाराशर एवं परिवारजनों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगो ने उपस्थित होकर सभी ने उन्हें बधाई, शुभकामनाएं दी. इस आयोजन में राज्यमंत्री नारायण सिंह पंवार, पूर्व विधायक रामचन्द्र दांगी, पुरुषोत्तम दांगी, सीएमओ इकरार अहमद, पूर्व सीएमओ शशि मित्तल सहित नगरीय निकायों के कई वर्तमान और पूर्व अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, पार्षद आदि मौजूद रहे.

रिटायरमेंट के बाद ढोल ढमाकों के साथ पहुंचे

इसके पूर्व शुक्रवार शाम को रिटायरमेंट के बाद नगर में लौटे संतोष पाराशर का ढोल ढमाकों से स्वागत किया गया और वाहनों के काफिले के साथ उन्हें निवास पर वें पहुंचे. यहां नगर के लोगों, मित्रजनों और परिवार सहित समाजबंधुओं ने पुष्पहारों से भावभीना स्वागत किया.

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए प्रोत्साहन योजना

राजगढ़ 04 जुलाई, का. सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना के प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन हेतु एनआईसी मध्यप्रदेश के सहयोग से स्पर्श पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्रणाली विकसित की गई है. इसके माध्यम से योजना का संचालन ऑनलाइन किया जाएगा. उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण ने बताया कि योजना के अंतर्गत पात्र दिव्यांग छात्र-छात्राएं स्वयं स्पर्श पोर्टल पर आवेदन दर्ज कर सकेंगे.

परियोजना — **सुठालिया वृहद् सिंचाई परियोजना का मंत्री नारायण सिंह पंवार ने किया स्थल निरीक्षण**

पार्वती बांध का काम 80 प्रतिशत पूर्ण, 4 जिलों में भू अर्जन हुआ

नवभारत न्यूज

सुठालिया 04 जुलाई, सं. प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी सुठालिया वृहद सिंचाई परियोजना के निर्माण कार्यों का शनिवार प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार ने स्थल पर पहुंचकर विस्तृत निरीक्षण किया. उन्होंने शनिवार को निर्माणाधीन मुख्य बांध सहित परियोजना के विभिन्न कार्यों का अवलोकन कर प्रगति की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों से निर्माण की वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की.

निरीक्षण के दौरान मंत्री पंवार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के प्रत्येक कार्य को निर्धारित तकनीकी मानकों, उच्च गुणवत्ता एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए.

अधिकारियों ने मंत्री पंवार को जानकारी देते हुए बताया कि पार्वती नदी पर राजगढ़ जिले की सुठालिया तहसील की बैराड ग्राम के नजदीक निर्मित हो रही यह परियोजना प्रदेश की प्रमुख वृहद सिंचाई योजनाओं में शामिल है. वर्ष 2018 में इस परियोजना को 1,375.24 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई थी. परियोजना अंतर्गत लगभग 25.50 मीटर ऊंचा, लगभग 4 किलोमीटर लंबा तथा 20 रेडियल गेटयुक्त कंपोजिट बांध निर्मित किया जा रहा है. बांध की सकल जल भंडारण क्षमता 201.35 मिलियन घनमीटर तथा लाइव स्टोरेज क्षमता 183.70 होगी. इसके साथ दो अत्याधुनिक पंप हाउसों का निर्माण कर प्रेशराइज्ड पाइपलाइन आधारित आधुनिक सिंचाई प्रणाली विकसित की जा रही है, जिससे लगभग 49,800 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी.

4 जिलों के 174 गांवों को सीधा लाभ

अधिकारियों ने बताया कि परियोजना से 174 ग्रामों को प्रत्यक्ष सिंचाई लाभ मिलेगा, जिनमें सुठालिया तहसील के 73, ब्यावरा तहसील के 71 तथा नरसिंहगढ़ तहसील के 30 ग्राम शामिल हैं. ग्राम मऊ एवं कानरखेड़ी स्थित पंप हाउसों से क्रमशः 21,077 हेक्टेयर एवं 28,723 हेक्टेयर क्षेत्र में पाइपलाइन आधारित सिंचाई व्यवस्था विकसित की जा रही है. परियोजना की वर्तमान प्रगति की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि मुख्य बांध का लगभग 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है. प्रभावित क्षेत्रों में राजगढ़ जिले के 34, गुना जिले के 8, भोपाल जिले के 18 तथा सीहोर जिले के 3 ग्रामों में लगभग 90 प्रतिशत भू-अर्जन कार्य पूर्ण किया जा चुका है. परियोजना से प्रभावित लगभग 1,675 परिवारों के पुनर्वास हेतु ग्राम मऊ एवं बड़ाबड़ला में सभी आवश्यक सुविधाओं से युक्त पुनर्वास कॉलोनियों का निर्माण भी किया जा चुका है. परियोजना के शेष निर्माण कार्य वर्ष 2027 तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य रखा गया है. मंत्री नारायण सिंह पंवार ने कहा कि सुठालिया वृहद सिंचाई परियोजना केवल एक बांध निर्माण नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के विकास की आधारशिला है. इसके पूर्ण होने से हजारों किसानों को वर्षभर सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, भू-जल स्तर में सुधार आएगा तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी. निरीक्षण के दौरान मंडल अध्यक्ष श्याम सिंह चौहान, अशोक अग्रवाल, ओमप्रकाश पालीवाल, पदम सिंह लोधी, मनोज शर्मा, कामेश नामदेव, सुनील सरावत, एसडीओ कुशाग्र शिवहरे, नायब तहसीलदार रामनिवास धाकड़ सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे.

ट्रैक्टर ने मारी टक्कर, युवती की मौत

नवभारत न्यूज, जीरापुर 04 जुलाई, सं. जीरापुर के समीप कुंडालिया डेम के पास शुक्रवार शाम करीब 5 बजे हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 28 वर्षीय युवती की मौत हो गई. पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजाहहेड़ी निवासी पार्वती पिता सुल्तान सिंह 28 वर्ष अपनी सहेली के साथ नलखेड़ा की ओर से जीरापुर आ रही थीं. इसी दौरान जीरापुर की ओर से आ रहे एक अज्ञात ट्रैक्टर चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी. हादसे में गंभीर रूप से घायल पार्वती को तत्काल सिविल अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बाहर रेफर कर दिया. परिजन उन्हें उपचार के लिए ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही पार्वती ने दम तोड़ दिया. पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है. मामले में पुलिस ने अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है. वहीं युवती की मौत के बाद गांव में शोक व्याप्त है.